Nai Duniya (Indore), 30th March 2026, Page- 04

स्टार्टअप और इनोवेशन का हब बनेगा मध्य प्रदेश : मुख्यमंत्री

सिंहासा आइटी पार्क में लांचपैड ● इन्क्यूबेशन व इनोवेशन सेंटर का शुभारंभ, कहा- बौद्धिक क्षमता के बल पर मजबूत पहचान बना रहा भारत

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने सिंहासा आइटी पार्क में 'लांचपैड: इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सेंटर का अवलोकन किया और स्टार्टअप फाउंडर्स से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश का युवा अपनी सोच को आकार देकर आइटी तकनीक के माध्यम से नवाचार कर रहा है और स्टार्टअप स्थापित कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2047 तक मध्य प्रदेश उद्यमिता और इनोवेशन के क्षेत्र में एक मजबूत हब के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि उज्जैन को साइंस सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है और प्रदेश में डीपटेक रिसर्च पार्क की स्थापना की दिशा में भी काम चल रहा है।

पहले जमीन सबसे बड़ी संपत्ति थी, अब ज्ञान सबसे बड़ा धन: मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दौर ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का है। एक समय जमीन को सबसे बड़ी संपत्ति माना जाता था, लेकिन अब ज्ञान सबसे बड़ा धन बन गया है। बौद्धिक क्षमता के बल पर भारत वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है और मध्यप्रदेश डिजिटल साल्यूशन के माध्यम से इस बदलाव में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

सिंहासा आइटी पार्क के 'लांचपैड: इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर' में जानकारी लेते मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव। ● सौजन्य

ये भी हुए शामिल

इससे पहले दशहरा मैदान में नर्मदा के चौथे चरण के भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सिरपुर में तैयार 20 एमएडी क्षमता के एसटीपी का लोकार्पण भी किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मालिनी गौड़, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, मनोज पटेल, उषा ठाकुर, भाजपा नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर परिषद के सदस्यगण, पार्षदगण, पूर्व विधायक गोपीकृष्ण नेमा, सुदर्शन गुप्ता, पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे शामिल हुए।

गौरतलब है कि इस इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन और मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रानिक्स डेवलपमेंट कार्पोरेशन के संयुक्त सहयोग से की गई है। इसका उद्देश्य डीप-टेक नवाचार को बढ़ावा देना और उच्च प्रभाव वाले स्टार्टअप्स को मंच प्रदान करना है।

सिंचाई क्षमता का भी हो रहा विस्तार : मंत्री सिलावट

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश में जल संसाधनों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। दो वर्ष में आठ लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का विस्तार किया गया है। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 55 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो रही है। इसे एक वर्ष में बढ़ाकर 65 लाख हेक्टेयर और वर्ष 2028-29 तक 100 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है। यह प्रदेश के कृषि विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

नजर आई गुटबाजी

इंदौर: दशहरा मैदान में हुए कार्यक्रम में एक बार फिर भाजपा की गुटबाजी सामने आई। सात मिनट के संबोधन में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नर्मदा के चौथे चरण को लाने का पूरा श्रेय महापौर पुष्यमित्र भार्गव को देते हुए कहा कि आज की तारीख और महापौर का नाम याद रखा जाएगा। महापौर बनने के बाद पहली बार भार्गव मुझसे मिलने आए थे तो मैंने उनसे कहा था कि आप पानी को लेकर काम करो और उन्होंने यह कर दिखाया। विजयवर्गीय ने भाषण में न पूर्व महापौर विधायक मालिनी गौड़ का नाम लिया, न पूर्व विधायक लखन गौड़ का उल्लेख किया, जबकि कार्यक्रम विधानसभा क्षेत्र चार में हुआ। वहीं पूर्व महापौर विधायक मालिनी गौड़ ने भी अपने संबोधन में महापौर भार्गव का नाम लेने से परहेज किया।

कार्यक्रम में शामिल हुए बगैर लौट गए सतन : दशहरा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्यनारायण सतन भी आमंत्रित थे। वे कार्यक्रम में पहुंचे भी, लेकिन उन्हें मंच पर बैठने के लिए कुर्सी ही नहीं दी गई। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्था देख रहे महापौर परिषद सदस्य अभिषेक शर्मा बबलू से इस बारे में संवाद किया, जिसके बाद सतन नाराज होकर कार्यक्रम छोड़कर चले गए। नईदुनिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि मैंने कार्यक्रम में से अनुपस्थित रहकर अपनी नाराजगी व्यक्त कर दी है।

दोगुना जल-मजबूत कल 24 घंटे जलापूर्ति का सपना होगा पूरा

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: मां नर्मदा प्रदेश की जीवनरेखा है। इनके आशीर्वाद से प्रदेश में विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है। होलकर साम्राज्य ने मां नर्मदा के आशीर्वाद से कठिन परिस्थितियों में सनातन संस्कृति को सशक्त बनाए रखा और प्रमुख तीर्थ स्थलों पर घाट, धर्मशालाएं एवं अन्नक्षेत्र विकसित किए।

यह बात मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने रविवार को दशहरा मैदान पर आयोजित नर्मदा के चौथे चरण के कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में कही। इस परियोजना को 36 माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके पूरा होने पर शहर में 24 घंटे जलापूर्ति का सपना पूरा हो सकेगा। नर्मदा के चौथे चरण पर लगभग 1356 करोड़ रुपये खर्च आ रहा है। यह काम चार पैकेज में किया जाना है। पहले पैकेज के 800 करोड़ रुपये के काम का भूमिपूजन 14 जनवरी 2026 को ही मुख्यमंत्री कर चुके हैं।

दशहरा मैदान पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं के तहत लाभांवित

36 माह में नर्मदा का चौथा चरण इंदौर पहुंचाने का लक्ष्य

ये कार्य होने हैं नर्मदा के चौथे चरण में

- **पैकेज-1 :** 1650 एमएलडी इंटेक, 400 एमएलडी ट्रीटमेंट प्लांट, पंपिंग स्टेशन एवं आधुनिक जल इंफ्रास्ट्रक्चर।
- **पैकेज-2 :** 39 किमी ग्रेविटी पाइपलाइन, 2870 मीटर लंबी टनल एवं क्लोरिनेशन प्लांट।
- **पैकेज-3 :** 20 नए ओवर हैड टैंक, 29 पुराने टैंकों का उन्नयन, 685 किमी पाइपलाइन और 1.26 लाख नवीन कनेक्शन।
- **पैकेज-4 :** 20 नए ओवर हेड टैंक, 46 पुराने टैंकों का उन्नयन, 892 किमी पाइपलाइन और 1.21 लाख नवीन कनेक्शन देने के कार्य शामिल हैं।

विभिन्न विभागों की प्रदर्शन भी लगाई